

MAHARISHI MAHESH YOGI VEDIC VISHWA VIDYALAYA

समाजकार्य में स्नातक पाठ्यक्रम

(BSW)

First Year (प्रथम वर्ष)

Paper	Nomenclature
I	Fundamentals of Maharishi Vedic Science (महर्षि वेद विज्ञान - I)
II	व्यावसायिक समाजकार्य का उद्भव
III	व्यावसायिक समाजकार्य दर्शन
IV	मानव समाज
V	भारतीय सामाजिक व्यवस्था
VI	मूलभूत मनोवैज्ञानिक प्रक्रम
VII	क्षेत्रीय निर्दिष्ट कार्य (प्रायोगिक)

Second Year (द्वितीय वर्ष)

Paper	Nomenclature
I	Advanced Concept of Maharishi Vedic Science (महर्षि वेद विज्ञान - II)
II	मनोविकृति विज्ञान
III	सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी
IV	भारतीय सामाजिक समस्याएं
V	वैयक्तिक समाजकार्य
VI	सामाजिक सांस्कृतिक मानवशास्त्र
VII	क्षेत्रीय निर्दिष्ट कार्य (प्रायोगिक)

Third Year (तृतीय वर्ष)

Paper	Nomenclature
I	सामूहिक समाजकार्य
II	सामुदायिक संगठन
III	सामाजिक नीति एवं सामाजिक प्रशासन
IV	सुधारात्मक प्रशासन
V	भारत में स्थानीय स्वशासन
VI	क्षेत्रीय निर्दिष्ट कार्य (प्रायोगिक)

FUNDAMENTALS OF MAHARISHI VEDIC SCIENCE

(MAHARISHI VEDIC SCIENCE – I)

UNIT-1

Meaning & Importance of Guru Pujan.

Meaning of meditation, Mann, Intelligence, Chita, Ego, Thought .

UNIT-II

Name of forty areas of Vedic Science and their expression in Human Physiology and characteristics of consciousness.

Consciousness, types of consciousness, characteristics of higher stages of consciousness.

UNIT-III

Maharishi's Yoga, Transcendental Meditation- a general Introduction, Types of Speech, TM Sidhi Programme, Principle of Yoga Asanas and their Concept.

UNIT-IV

Introduction: Maharishi Vedic Management.

Fundamental elements of Vedic Management –Totality

Management of Science and Art .

UNIT-V

Vedic Management and Leadership.

The Idea Leadership is based upon the Totality of Employee's Style

Suggested Readings:

- Chetna –His Holiness Maharishi Mahesh Yogijee
- Maharishi Sandesh -1 and 2 , II-His Holiness Maharishi Mahesh Yogijee
- Scientific Yoga Asanas –Dr.Satpal.
- Dhyani Shailly by Brahmchari Dr. Girish Ji

प्रथम वर्ष

व्यावसायिक समाजकार्य का उद्भव

- इकाई – 1 : समाजकार्य की अवधारणा, परिभाषा, विशेषताएं, उद्देश्य मान्यताएं, समाजकार्य के प्रमुख मॉडल।
- इकाई – 2 : भारत, अमेरिका एवं ब्रिटेन में समाजकार्य का इतिहास।
- इकाई – 3 : समाजकार्य के क्षेत्र—बाल कल्याण, महिला सशक्तिकरण, विद्यालयीन समाज कार्य, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्गों का कल्याण। युवा, वृद्ध, श्रम एवं बाधितों का कल्याण, चिकित्सकीय एवं मनोचिकित्सीय समाजकार्य।
- इकाई – 4 : समाजकार्य दर्शन, समाजकार्य के मौलिक मूल्य एवं समाजकार्य के मूल प्रत्यय।
- इकाई – 5 : समाजकार्य के अन्य प्रत्यय—समाजसेवा, सामाजिक कार्य, सामाजिक सेवाएं, समाजकल्याण, समाज सुधार एवं समाज शिक्षा।

संदर्भ सूची :

1. समाजकार्य—प्रो. राजाराम शास्त्री, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
2. समाजकार्य—डॉ. जी.आर.मदान., विवके प्रकाशन, दिल्ली।
3. समाजकार्य इतिहास दर्शन एवं प्रणालियाँ —डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. पी.डी. मिश्रा, न्यू रॉयल कम्पनी, लखनऊ।

प्रथम वर्ष
व्यावसायिक समाजकार्य कार्य दर्शन

- इकाई – 1 :समाजकार्य व्यवसाय – अवधारणा, अर्थ, विशेषताएं एवं उद्देश्य।
- इकाई – 2 :व्यावसायिक समाजकार्य के सिद्धान्त, समाज कार्यकर्ता हेतु आचार संहिता।
- इकाई – 3 :समाज कार्य की विधियाँ एवं तकनीकियों का वर्णन एवं सामान्य प्रयोग।
- इकाई – 4 :समाजकार्य एवं अन्य सामाजिक विज्ञान।
- इकाई – 5 :समाजकार्य शिक्षा का इतिहास, आवश्यकता एवं महत्व।

संदर्भ सूची :

1. समाजकार्य—प्रो. राजाराम शास्त्री, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
2. समाजकार्य—डॉ. जी.आर.मदान., विवेक प्रकाशन, दिल्ली।
3. समाजकार्य इतिहास दर्शन एवं प्रणालियाँ —डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. पी.डी. मिश्रा, न्यू रॉयल कम्पनी, लखनऊ।

प्रथम वर्ष

मानव समाज

- इकाई – 1 :समाज–अवधारणा, समाज की विशेषताएं, उदाहरण। मानव तथा पशु समाज, समाज तथा “एक समाज”, ग्रामीण एवं नगरीय समाज।
- इकाई – 2 :व्यक्ति एवं समाज, सामाजीकरण–अवधारणा एवं अभिकरण।
- इकाई – 3 :सामाजिक प्रक्रिया–अर्थ, परिभाषाएं एवं विशेषताएं, सामाजिक प्रक्रियाओं के प्रकार।
- इकाई – 4 :सामाजिक परिवर्तन–अवधारणा, सामाजिक प्रगति एवं सामाजिक विकास, समुदाय, समिति एवं संस्था–परिभाषा, विशेषताएं, कार्य, महत्व तथा अन्तर।
- इकाई – 5 :समूह–अवधारणा, प्रकार, प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह, सन्दर्भ समूह।

संदर्भ सूची :

1. भारतीय समाज–डॉ. डी.एस.बघेल, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।
2. मानव समाज– डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
3. मूलभूत समाज शास्त्रीय अवधारणाएं–डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
4. समाजशास्त्र– डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।

प्रथम वर्ष
भारतीय सामाजिक व्यवस्था

- इकाई – 1 : प्राथमिक सामाजिक संस्थाएँ परिवार, विवाह, जाति, धर्म का सामान्य परिचय, प्रकार एवं कार्य।
- इकाई – 2 : संस्कृति—अवधारणा, परिभाषा, अर्थ एवं विशेषताएँ, संस्कृति के तत्व, सांस्कृतिक विलम्बना, सांस्कृतिक संघर्ष, संस्कृति एवं सभ्यता, जनरीतिया, लोकाचार, परम्पराएं।
- इकाई – 3 : सामाजिक स्तरीकरण—अर्थ एवं विशेषताएं, जाति एवं वर्ग के आधार पर सामाजिक स्तरीकरण, स्वरूप एवं प्रकार्य एवं अकार्य।
- इकाई – 4 : सामाजिक नियंत्रण—अवधारणा, प्रकृति, अभिकरण। नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधन, जनमत एवं प्रचार।
- इकाई – 5 : सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन—अर्थ, विशेषताएं, स्वरूप, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारक।

संदर्भ सूची :

1. भारतीय समाज—डॉ. डी.एस.बघेल, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।
2. मानव समाज— डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
3. मूलभूत समाज शास्त्रीय अवधारणाएं—डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
4. समाजशास्त्र— डॉ. जी.के. अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।

प्रथम वर्ष

मूलभूत मनोवैज्ञानिक प्रक्रम

- इकाई – 1 :विकास–अवधारणा, अर्थ, अवस्थाएं, विकास के नियम, विकास में सन्निहित प्रक्रियाएं।
- इकाई – 2 :मानव विकास–दैहिक विकास, भाषा विकास एवं संवेगात्मक विकास।
- इकाई – 3 :व्यक्तित्व–परिभाषा, अर्थ, स्वरूप, स्वरचना एवं निर्धारण। ईड, इगो एवं सुपर इगो, एडलर, एरिक्सन एवं फायड का सिद्धान्त।
- इकाई – 4 :अनुवांशिकता एवं परिवेश का मानव विकास पर प्रभाव।
- इकाई – 5 :परिपक्वता एवं अधिगम की मानव विकास को निर्धारित एवं नियंत्रित करने में भूमिका।

संदर्भ सूची :

1. विकासात्मक मनोविज्ञान, डॉ. जे.एन.लाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- 2- Hurlock, E.B. : Developmental Psychology, Tata McGraw-Hill, New Delhi.

प्रथम वर्ष

क्षेत्रीय निर्दिष्ट कार्य (प्रायोगिक)

ADVANCED CONCEPT OF MAHARISHI VEDIC SCIENCE

(MAHARISHI VEDIC SCIENCE-II)

UNIT-I

- Classical and Scientific introduction of forty areas of Vedic Science,
- First and Last Verse of forty areas.

UNIT-II

- Third Law of Thermodynamics.
- Miessener's effect.
- Maharishi's Effect –Society, Environment, Behavior and effect on moral value.

UNIT-III

- Meaning of “Yogastha Kuru karmani”
- Meaning of “ Gyanam Chetanayam Nihitam”.

UNIT-IV

- Theory of karma –Shrimad Bhagwat Geeta.
- Theory of Invincibility.

UNIT-V

- Theory of Ayurved.
- Theory of Dincharya & Ritucharya.

Text and Reference Books:

Maharishi Sandesh Part I,II
Chetna vigyan His Holiness Maharishi yogijee.
Dhyan Shailly by Brahmchari Dr. Girish Ji

द्वितीय वर्ष

मनोविकृति विज्ञान

इकाई-1 : असामान्यता-सामान्य दृष्टिकोण एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण। असामान्यता के प्रकार असामान्य मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई-2 : फ्रायड का मनाविश्लेषण सिद्धांत -मनोकामुक विकास सिद्धांत, एडलर का व्यष्टि मनोविज्ञान सिद्धांत, हर्नी का बुनियादी दुष्चिन्ता का सिद्धांत, रोजर्स का सेवापेक्षी केन्द्रित मनोविज्ञान।

इकाई-3 : असामान्यता के लक्षण, असामान्यता के कारण-जैविक कारण, मानसिक कारण एवं सामाजिक कारण, व्यक्तित्व के निर्धारण-अनुवांशिकता, पर्यावरण, अभिप्रेरण एवं व्यक्तित्व। प्रतिबल के स्रोत-कुंठा, द्वन्द्व एवं दबाव।

इकाई-4 : अहम् प्रतिरक्षा युक्तियां-समायोजी एवं कुसमायोजी प्रतिक्रियाएं-दमन, तादात्मीकरण, प्रक्षेपण, प्रतिक्रिया विधान, विस्थापन, उदात्तीकरण, क्षतिपूर्ति, परिवर्तन, प्रतिगमन एवं स्वकल्पना।

इकाई-5 : दुष्चिन्ता प्रतिक्रिया, मनोग्रस्त बाध्यता प्रतिक्रिया, अपस्मार, पेश्टिक अल्सर, भवसनिका दमा। व्यक्ति विकार-बालापचार, कामुक विचलन, मद्यव्यसनिता। मानसिक स्वास्थ्य, रोकथाम के जैविक मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक उपाय।

संदर्भ सूची :

- 1 असामान्य मनोविज्ञान, जयगोपाल त्रिपाठी, विवेक त्रिपाठी, एच.पी.भार्गव बुक हाउस, आगरा।
- 2 आधुनिक आसामान्य मनोविज्ञान, डॉ.डी.एन.श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा।

द्वितीय वर्ष

सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी

इकाई-1 : सामाजिक अनुसंधान का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व, सामाजिक अनुसंधान के उद्देश्य, चरण एवं विशेषताएं। वैज्ञानिक पद्धति का अर्थ एवं विशेषताएं, सामाजिक घटनाओं की प्रकृति।

इकाई-2 : तथ्य संकलन-अवलोकन, साक्षात्कार, वयक्तिक अध्ययन, अनुसूची एवं प्रश्नावली, उपकल्पना।

इकाई-3 : शोध एवं उसका प्रस्तुतीकरण, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार-आधारभूत, व्यवहारिक तथा अनुभवात्मक, सारणीयन, विश्लेषण एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति।

इकाई-4 : सामाजिक सर्वेक्षण-अर्थ, उद्देश्य, महत्व एवं प्रकार। निदर्शन-अवधारणा एवं प्रकार।

इकाई-5 : केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप-माध्य, मध्यिका एवं बहुलक, सामान्य ग्राफ की प्रस्तुति। रेखाचित्र-सरल, द्विगुणीय एवं त्रिगुणीय दण्ड चित्र।

संदर्भ सूची :

- 1 शोध पद्धतियाँ-डॉ.डी.एस.बघेल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
- 2 सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियाँ-डॉ.धर्मवीर महाजन एवं डॉ. कमलेश महाजन, विवेक प्रकाशन, दिल्ली।

द्वितीय वर्ष

भारतीय सामाजिक समस्याएं

इकाई-1 : सामाजिक समस्याएं, अर्थ, प्रकृति, कारण एवं प्रकार। सामाजिक समस्याओं के सिद्धांत-सामाजिक विघटन का सिद्धांत, सांस्कृतिक पिछड़पन का सिद्धांत, मूल्यों में संघर्ष का सिद्धांत, वैयक्तिक विचलन का सिद्धांत।

इकाई-2 : वैयक्तिक विघटन, पारिवारिक विघटन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विघटन।

इकाई-3 : जनसंख्या वृद्धि, बेरोजगारी, भिक्षावृत्ति एवं निर्धनता।

इकाई-4 : अपराध, बाल अपराध, भ्रष्टाचार, जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद।

इकाई-5 : मादक द्रव्यसन, वैश्यावृत्ति, एड्स । पर्यावरणीय समस्याएं-भूमि, जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण।

संदर्भ सूची :

1. सामाजिक समस्याएं-राम आहूजा, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
2. सामाजिक समस्याएं-जी.के.अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
3. भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएं-जी.के.अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।

द्वितीय वर्ष

वैयक्तिक समाजकार्य

इकाई-1 :भारत एवं पश्चिम में वैयक्तिक समाजकार्य का इतिहास। वैयक्तिक सेवाकार्य के घटक—व्यक्ति, समस्या, स्थान एवं प्रक्रिया।

इकाई-2 :वैयक्तिक सेवाकार्य की अवधारणा—अहम्, सामाजिक भूमिका, प्रतिबल एवं अनुकूलन। वैयक्तिक समाजकार्य का समाजकार्य की अन्य विधियों से संबंध।

इकाई-3 :वैयक्तिक सेवाकार्य के चरण—अध्ययन, निदान एवं उपचार। कार्यकर्ता सेवार्थी संबंध।

इकाई-4 :वैयक्तिक सेवा कार्य के सिद्धांत एवं तकनीकियां।

इकाई-5 :वैयक्तिक सेवाकार्य अभ्यास का मनोसामाजिक उपागम। वैयक्तिक सेवाकार्य में अभिलेखन। इतिहास एवं साक्षात्कार प्रक्रिया।

संदर्भ सूची :

1 वैयक्तिक सेवाकार्य—पी.डी.मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ संस्थान, लखनऊ।

द्वितीय वर्ष

सामाजिक सांस्कृतिक मानवशास्त्र

इकाई-1 : मानवशास्त्र-परिभाषा, प्रकृति एवं अध्ययन क्षेत्र । मानवशास्त्र की शाखाएं, सामाजिक मानवशास्त्र-प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र एवं महत्व, सामाजिक मानवशास्त्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञान ।

इकाई-2 : मानव एवं संस्कृति -अर्थ, परिभाषा, लक्षण, विशिष्टताएं। संस्कृति के प्रकार, संस्कृति के घटक-संस्कृति तत्व, संस्कृति संकुल, संस्कृति-प्रतिमान, संस्कृति क्षेत्र ।

इकाई-3 : प्रजाति-वैज्ञानिक अर्थ, लक्षण, उत्पत्ति। प्रजाति निर्धारण के आधार। विश्व की विभिन्न प्रजातियाँ-प्रजातिवाद, भारत में प्रजातीय तत्वों का इतिहास ।

इकाई-4 : जनजाति सामाजिक संगठन, विवाह, परिवार, युवागृह, नातेदारी व्यवस्था, वंश समूह, गोत्र, गोत्र समूह, टोटम एवं निषेध, धर्म तथा जादू ।

इकाई-5 : जनजातीय अर्थव्यवस्था, जनजातीय कला, लोक कथाएं, जनजातियों में कानून, न्याय व्यवस्था, भारत में जनजातीय समस्याएं, कल्याण नीतियां एवं कार्यक्रम ।

संदर्भ सूची :

- 1 सामाजिक मानव शास्त्र-जी.के.अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा ।
2. सामाजिक मानव शास्त्र-डॉ.गणेश शंकर पाण्डेय, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

तृतीय वर्ष

सामूहिक समाजकार्य

इकाई-1 : सामूहिक कार्य-अवधारणा एवं परिभाषा। भारत एवं पश्चिम में सामूहिक कार्य का विकास।

इकाई-2 : सामूहिक कार्य के प्रमुख सिद्धांत। सामूहिक कार्य के चरण। समाजकार्य की एक विधि के रूप में समूह कार्य का अन्य विधियों के साथ संबंध।

इकाई-3 : समूह कार्य प्रक्रिया, समूह कार्यकर्ता की समूह कार्य प्रक्रिया में भूमिका एवं निपुणताएं।

इकाई-4 : समूह में कार्यक्रम-अर्थ, महत्व, कार्यक्रम नियोजन एवं विकास प्रक्रिया।

इकाई-5 : समूह कार्यक्रम में भूमिका निर्वहन, समूह स्वरचना, समूह गत्यात्मकता एवं नेतृत्व।

संदर्भ सूची :

1 सामूहिक समाजकार्य, पी.डी.मिश्रा, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ संस्थान, लखनऊ।

तृतीय वर्ष सामुदायिक संगठन

इकाई-1 : समुदाय-अर्थ, संरचनात्मक एवं कार्यात्मक पक्ष, नगरीय एवं ग्रामीण समुदाय-अर्थ, प्रकृति एवं विशेषताएं।

इकाई-2 : सामुदायिक संगठन-अर्थ, उद्देश्य एवं विधियाँ। सामुदायिक संगठन का ऐतिहासिक विकास।

इकाई-3 : सामुदायिक संगठन के सिद्धांत, सामुदायिक संगठक की भूमिका एवं निपुणताएं। सामुदायिक संसाधनों की पहचान एवं उपयोग।

इकाई-4 : सामुदायिक संगठन एवं सामुदायिक परिवर्तन। सामाजिक क्रिया, नेतृत्व-प्रकार एवं कार्य।

इकाई-5 : सामुदायिक संगठन समाजकार्य की एक विधि के रूप में सामुदायिक संगठन एवं विकास व्यूह रचना- 1. संगठन 2. कार्यक्रम 3. प्रशिक्षण 4. निरीक्षण 5. प्रशासन 6. संसाधन 7. मूल्यांकन।

संदर्भ सूची :

- 1 सामुदायिक संगठन-डॉ.ए.एन.सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़,
2. ग्रामीण एवं नगरीय समुदाय-डॉ.जी.के.अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।

तृतीय वर्ष

सामाजिक नीति एवं सामाजिक प्रशासन

इकाई-1 : सामाजिक प्रशासन-अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धांत एवं महत्व।

इकाई-2 : कन्द्रीय स्तर पर सामाजिक प्रशासन । राज्य स्तर पर सामाजिक प्रशासन स्थानीय स्तर पर सामाजिक प्रशासन।

इकाई-3 : भारत में सामाजिक नीति- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला एवं बालकल्याण नीति तथा समस्याएं। भारत में सामाजिक विधान-उद्भव, प्रकृति, उपयोगिता, प्रमुख सामाजिक विधान।

इकाई-4 : भारत में सामाजिक नियोजन-आवश्यकता, क्षेत्र। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में सामाजिक नियोजन, कल्याण एवं विकास।

इकाई-5 : भारत में समाज कल्याण-स्वयंसेवी संगठनों के प्रयास, भूमिका, दायित्व, महत्व। भारत में सामाजिक प्रशासन की समस्याएं।

संदर्भ सूची :

- 1 भारत में समाजकल्याण प्रशासन-डॉ.डी.आर.सचदेवा, किताब महल, एजेसीज, इलाहाबाद।
2. सामाजिक प्रशासन, डॉ.दयाकृष्ण मिश्र एवं डॉ. ए.एस.राठौर, कालेज बुक डिपो, जयपुर।

तृतीय वर्ष

सुधारात्मक प्रशासन

इकाई-1 : अपराध-अवधारणा (कानूनी, व्यावहारिक एवं समाजशास्त्रीय), विशेषताएं, दुश्कृति, पाप, दुराचार एवं अनैतिकता। अपराध-विशिष्ट वर्गीकरण, सांख्यिकीय एवं सामान्य वर्गीकरण। अपराधियों का वर्गीकरण

इकाई-2 : अपराध की व्याख्याएं-शास्त्रीय, प्रत्यक्षवादी, मनोवैज्ञानिक एवं भौगोलिक व्याख्या। समाजशास्त्रीय व्याख्याएं-विभेदक संगति, समूह प्रक्रियाएं, अपराधी उपसंस्कृतिक एवं अवसरवादी संरचना सिद्धांत, सामाजिक संरचना एवं नियमहीनता।

इकाई-3 : बाल अपराध, श्वेतवसन अपराध, आतंकवाद-अर्थ, परिभाषा, प्रमुख लक्षण, कारण, दुष्परिणाम, समाधान एवं सुझाव। अपराध एवं अपराधियों के नये प्रतिमान एवं परिवेश-महिलाओं के विरुद्ध अपराध, बाल उत्पीड़न, आतंकवादी अपराध, कम्प्यूटर अपराध, मानव अंगों का अपराध, अधिकारीय वर्गीय अपराध।

इकाई-4 : अपराध एवं उसके विभिन्न सिद्धांत। दण्ड के प्रकार एवं विभिन्न सिद्धांत।

इकाई-5 : अपराधियों का सुधार-उत्तररक्षण सेवाएं तथा पुनर्वसन, बन्दीगृह सुधार, खुले बन्दीगृह, प्रोवेशन एवं पेरोल, बाल न्यायालय अपराध रोकने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका।

संदर्भ सूची :

1. अपराधशास्त्र-डॉ.एम.एम.लावनिया, कालेज बुक डिपो, जयपुर।
2. अपराधशास्त्र-डॉ.गोपाल कृष्ण अग्रवाल, एस.बी.पी.डी., साहित्य भवन, आगरा।
3. अपराधशास्त्र-गणेश पाण्डेय, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

तृतीय वर्ष

भारत में स्थानीय स्वशासन

इकाई-1 : लोकतंत्र-लोकतंत्र के आधार, लोकतंत्र के गुण-दोष, भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण। भारत में स्थानीय स्वशासन का विकास-आवश्यकता, महत्व, स्थानीय स्वशासन के कार्य, सामुदायिक विकास योजना, कार्यक्रम, सामुदायिक विकास संगठन एवं स्वरचना। बलवंतराय मेहता कमेटी, अशोक मेहता कमेटी।

इकाई-2 : नगरीय प्रशासन-नगर पालिका एवं नगर निगम, स्वरचना काय एवं भाक्तियाँ पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण, 74वें संविधान संशोधन 1992 की विशेषताएं।

इकाई-3 : पंचायत राज व्यवस्था-पंचायत, आवश्यकता, महत्व, उद्देश्य एवं कार्य पंचायती राज का विकास-ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत। पंचायत राज संस्थाओं का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण।

इकाई-4 : नगर एवं ग्राम निकायों में कर्मचारी वर्ग व्यवस्था, नगरीय निकायों का वित्तीय प्रशासन, पंचायतों का वित्तीय प्रशासन।

इकाई-5 : मध्य प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था, 73वें संविधान संशोधन के अर्न्तगत ग्राम, जनपद एवं जिला पंचायत। मध्य प्रदेश पंचायती राज अधिनियम में द्वितीय संशोधन 1997, मध्य प्रदेश में ग्राम स्वराज।

संदर्भ सूची :

1. स्थानीय स्वशासन-बर्थवाल, कालेज बुक डिपो, जयपुर।
2. भारत में स्थानीय शासन-एस.आर.महेश्वरी, प्रकाशक लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
3. भारत में स्थानीय स्वशासन-बाम्बेश्वर सिंह, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. भारत में स्थानीय स्वशासन-डॉ. नीलम चौरे, मधुकर प्रकाशन, आगरा।
5. भारत में स्थानीय प्रशासन-डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, कालेज बुक डिपो, जयपुर।